DELTA Pg No. 1
Date / /

1-4-24

कक्षा-कार्य

पाठ - 1 वसंत

सोमवार , d no - 1.

शब्द अर्थ

	शब्द	अर्थ
1.	जुंडी	जौ, ज्वार , बाजरा
2.	रुचि	इच्छा, पसंद
3.	रस से	आनंद से, खुश होकर
4.	संतोषी	सब्र कर लेने वाला
5.	अन्न	अनाज
6.	कंठ	गला
7.	खोल कर	निडर होकर
8.	वन बाला	अति प्राचीन जंगल रूपी

		बूढ़ा बाबा
9.	की खातिर	के लिए
10.	रस	आनंद
11.	उँडेलकर	बिखेर कर
12.	छोटी मुँह बोली	छोटी सी मंद आवाज वाली
13.	विजन	सुनसान जंगल
14.	टटोलकर	ढूँढकर
15.	गरबीली	गर्व करने वाली
16.	चढ़ी नदी	ऐसे नदी जिसमे खुब पानी हो
17.	जल का मोती	जल की बूँदें, कण

1-04-24

DELTA Pg No.
Date / /

गृह - कार्य

पाठ - 1 वसंत

सोमवार, Class - 2

कविता, पृष्ठ - 1

वह चिड़िया जो
चोंच मारकर
दूध - भरे जुँडी के दाने
रुची से, रस से खा लेती है
वह छोटी संतोषी चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे अन्न से बहुत प्यार है।

Date / /

वह चिड़िया जो -
कंठ खोलकर
बूढ़े वन - बाबा की खातिर
रस उँडेलकर गा लेती है
वह छोटी मुँह बोली चिड़िया
नीले पंखोंवाली मैं हूँ
मुझे विजन से बहत प्यार है।

वह चिड़िया जो
चोंच मारकर
चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है

वह छोटी गरबीली चिड़िया

नीले पंखोंवाली मैं हूँ

मुझे नदी से बहुत प्यार है।

केदारनाथ अग्रवाल

चित्र - पृष्ठ - 3

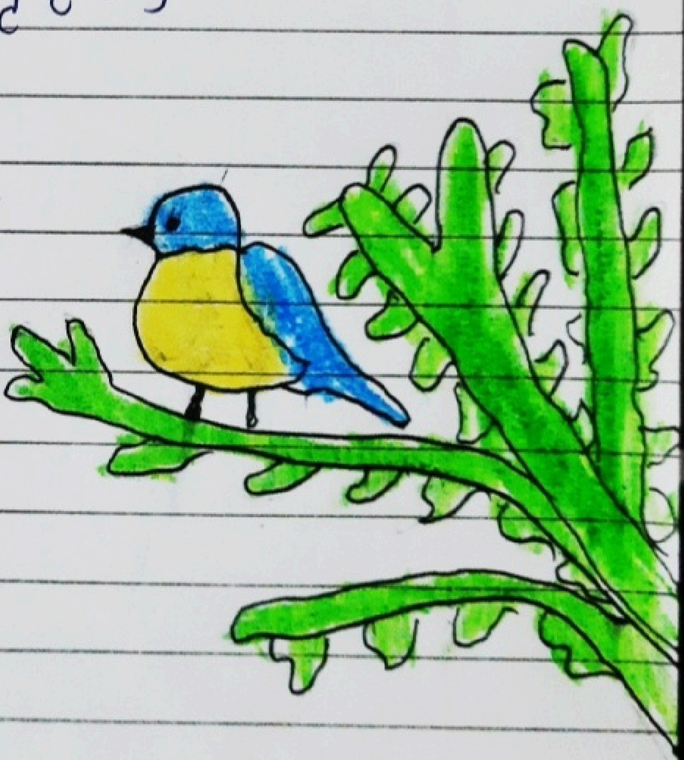

DELTA Pg No. 6
Date / /

2-04-24 कक्षा-कार्य

पाठ - 1 (वसत)

मंगलवार, id no-3

कविता से - पृष्ठ - 2

प्र0 1 तुम्हें कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहेंगे ? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो

उ0 लेखक ने अपनी कल्पना से इस कविता को एकदम उपयुक्त शीर्षक 'वह चिड़िया जो' दिया है, मैं अपनी कल्पना के अनुसार इस कविता के लिए 'गरबीली चिड़िया' नाम का शीर्षक पसंद करता हूँ।

प्र0 3 इस कविता के आधार पर बताओ की

कि चिड़िया को किन - किन से प्यार है?

उ०3 इस कविता में कवि ने केदारनाथ अग्रवाल जी ने बताया है कि चिड़िया को इन चीजों से प्यार है - अन्न से, विजन से, और नदी से प्यार है।

प्र०4 आशय स्पष्ठ करो -

क) रस उँडेलकर गा लेती है।

उ० प्रस्तुत पंक्तियों में कवि केदारनाथ अग्रवाल जी कहते हैं कि जब चिड़िया जंगल में अकेली होती है तब वह बिना डर और संकोच से उन्मुख भाव से गाती है।

ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर जल का मोती

ले जाती है।

उ० ये पंक्तियाँ केदार नाथ अग्रवाल जी द्वारा लिखित "वह चिड़िया जो" में से है। इसमें कवि बता रहे हैं कि चिड़िया को नदी से बहुत प्यार है। उसे पता है की नदी चढ़ी हुई है। परंतु वह फिर भी मोती रूपी बूँद को भरकर अपनी चोंच में ले जाती है।

8.4.24

पाठ-1 रामायण

सोमवार , 8-4

अवधपुरी में राम

प्र0-1 सरयू नदी के किनारे कौन सा नगर था ?

उ0-1 अयोध्या नगरी

प्र0-2 अयोध्या किस राज्य की राजधानी है।

उ0-2 कौसल राज्य की

प्र0-3 राजा दशरथ किसके पुत्र थे ?

उ0-3 महाराज अज के पुत्र है

प्र0-4 राजा दशरथ की रानियों के नाम लिखे -

उ0-4 कौशल्या , सुमित्रा , कैकेयी

प्र0-5 मुनि वशिष्ठ ने राजा दशरथ को कौन सा यज्ञ करने की सलाह दी ?

उ0-5 पुत्रेष्टि यज्ञ

प्र0-6 राम का जन्म कब हुआ ?

उ0-6 चैत्र माह की नवमी के दिन

प्र0-7 चारों राजकुमारों के नाम लिखें ?

उ0-7 राम , लक्ष्मण , शत्रुघन , भरत

प्र0-8 विश्वामित्र किसको लेने आए थे ?

उ0-8 राम को

प्र0-9 विश्वामित्र का यज्ञ कितने दिन का था ?

उ0-9 दस दिन का

प्र0-10 राम की उम्र उस समय कितनी थी ?

उ०-10 सोलह वर्ष

प्र०-11 महाराज, महर्षि सिद्ध पुरुष हैं किसने किससे कहा ?

उ०-11 गुरु वशिष्ठ ने राजा दशरथ से कहा ।

प्र०-12 कितने राक्षस यज्ञ में बाधा डाल रहे थे ?

उ०-12 दो राक्षस

प्र०-13 राम के साथ कौन गया था ?

उ०-13 छोटा भाई लक्ष्मण गया था ।

प्र०-14 आप रघुकुल की रीति तोड़ रहे हैं ? किसने किससे कहा ?

उ०-14 महर्षि ने राजा दशरथ से कहा

प्र / उ

क राम का जन्म ~~चैत्र माह की नवमी के दिन~~ कब हुआ और उनके भाइयों के नाम क्या थे?

उ- राम का जन्म चैत्र माह की नवमी के दिन हुआ। उनके अन्य भाइयों के नाम लक्ष्मण, भरत और शत्रुघन थे।

ख विश्वामित्र कौन थे?

उ- विश्वामित्र कभी स्वंम राजा थे। बाद में अपना राजपाट छोड़ दिया। सन्यास ग्रहण कर लिया और जंगल मे सिद्धाश्रम बनाकर रहने लगे।

10.4.24

कक्षा कार्य

पाठ - 8 व्याकरण

बुधवार, A. NO - 5

हमने जाना - पृष्ठ - 75

* संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
* सर्वनाम शब्द छह प्रकार के होते हैं - पुरुषवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, प्रश्नवाचक, संबंधवाचक और निजवाचक सर्वनाम।

पृष्ठ - 72

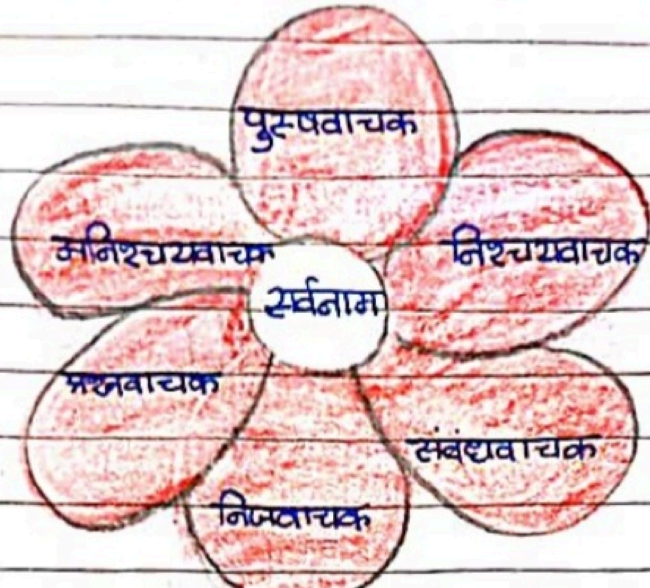

☆ ~~पुरुषवाचक~~ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं - उत्तम पुरुष (मैं, हम), मध्यम पुरुष (तू, तुम, आप) और अन्य पुरुष (वह, वे)।

(पृष्ठ-76) आओ जाँचें...

प्रश्न-1 दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्द रेखांकित करके उनके भेद का नाम लिखिए।

क. आप यहाँ आइए।

उ० - मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम

ख. जो काम करेगा, उसे फल मिलेगा।

उ० - संबंधवाचक सर्वनाम

ग. झाड़ी में कौन छिपा है?

उ० - ~~प्रश्न~~ प्रश्नवाचक सर्वनाम

घ शायद, कोई आया है।

उ० - अनिश्चयवाचक ~~सर्व~~ सर्वनाम

ङ: मैंने रंग - बिरंगी चिड़िया देखी॥

उ० - उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम

10.4.24

गृह कार्य

पाठ - 8

बुधवार, A-6

पृष्ठ - 76 आओ जाचें

प्र-2 दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों की अशुद्धियाँ सुधारकर वाक्य दुबारा लिखिए

क. वह कौन ~~की~~ की पेंसिल है ?

उ०- वह किस की पेंसिल है ?

ख. मेरे को प्यास लगी है।

उ०- मुझे प्यास लगी है।

ग आप हमके घर कब आओगे ?

उ०- आप हमारे घर कब आएँगे ?

घ तुम कौन के साथ गए थे ?

DELTA Pg No
Date / /

उ०- तुम किसके साथ गए थे?

5: क्या आपने आज यहीं रहेंगे?

उ०- क्या आप आज यहीं रहेंगे?

16-04-24

कक्षा-चौ

पाठ-9 विशेषण

मंगलवार, A-8

आओ जाँचें- पृष्ठ-85, 86

प्र०-2- दिए गए वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य छाँटकर लिखिए

क) दूस बच्ची को खिलाओ।

उ०- विशेषण-दूस विशेष्य-बच्ची

ख) भाला नुकीला था।

उ०- विशेषण-नुकीला विशेष्य-भाला

ग) ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी।

उ०- विशेषण-हवा विशेष्य-ठंडी-ठंडी

घ) पंकज बड़ा दयालु है।

उ०- विशेषण-दयालु विशेष्य-पंकज

2/7

DELTA Pg No.
Date / /

इ) पाँच किलो आटा देना।

उ- विशेषण- पाँच किलो विशेष्य- आटा

3/7

गृह-कार्य

16.04.24

पाठ-9 विशेषण

मंगलवार, A-9

आओ जाँचे- पृष्ठ-80

प्र०4 दिए गए शब्दों से विशेषण बनाइए।

क) समाज	सामाजिक
ख) रंग	रंगीन
ग) जापान	जापानी
घ) धन	धनी
ङ) झूठ	झूठा
च) हर्ष	हर्षित

गृह-कार्य 16-04-24

कक्षा-कार्य

पाठ-1,2 वसंत

मंगलवार A-10

लघु प्रश्न/उ०

प्र०-1 'वह चिड़िया जो' कविता के कवि का नाम क्या है?

उ०- केदारनाथ अग्रवाल

प्र०2 चिड़िया का रंग कैसा था?

उ०-नीला

प्र०-3 'बचपन' कविता की लेखिका का नाम क्या है?

उ०- कृष्णा सोबती

प्र०-4 हर शनिवार लेखिका को कौन सा ऑयल पीना पड़ता था?

उ०- ऑलिव ऑयल

प्र०-5. बचपन में लेखिका को किस नाम से पुकारते थे ?

उ०- जी-जी

प्र०-6. लेखिका ने अपनी आँखों का चश्मा किस डॉक्टर से बनवाया ?

उ०- अंग्रेज डॉक्टर से

DELTA Pg. No. 23

19·04·24

कक्षा-कार्य

पाठ-1,2 (वसंत)

पाठ-9,10 (व्याकरण)

शुक्रवार, A-11

कक्षा-परीक्षा

DELTA Pg No. 24

22-04-24

कक्षा-7

पाठ-2 (वसंत)

मीमावरा A-12

संस्मरण से - पृष्ठ-10

प्र०-1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थी?

उ०- लेखिका इतवार की सुबह पहले मोज़े धोती क्योंकि नौकर या नौकरानी से उन्हें धुलवाने की मनाही थी। फिर जूते पॉलिश करके उन्हें कपड़े या ब्रश से रगड़-रगड़ कर चमकाती।

प्र०-2. 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती हैं?

उ०- लेखिका बताती हैं कि अब बचपन की रूचियों में बदलाव आ गया है। वे स्पष्ट करती हैं कि जब वे छोटी थी तब

My NoteBook

Sign.

घरों में ग्रामोफोन थे। रेडियो और टेलीविज़न नहीं थे।

उनके बचपन वाली कुल्फी अब आइसक्रीम में बदल गई है।

कचौड़ी, समोसे का स्थान अब पैटीज़ ने ले लिया है।

शहतूत फ़ाल्से और खसखस के शरबत के स्थान पर

अब कोक और पेप्सी का चलन है। लेखिका के बचपन में कोक

नहीं थी उसकी बजाय लेमनेड और विमटो मिलते

थे।

प्र०-3 पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना

पड़ा?

उ०- लेखिका दिन की रोशनी में काम न करके रात को टेबल लैंप

के सामने काम करती थी। जिस कारण उनकी आँखो पर

बहुत ज़ोर पड़ने से आँखों की रोशनी कम हो गई और उन्हें

चस्मा लगवाना पड़ा।

प्र०-4. चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे

उ०-जब लेखिका चश्मा लगा लेती थी तो उनके चचेरे भाई उन्हें तंग करने के उद्देश्य से चिढ़ाते थे। उनके चचेरे भाई प्रायः गा

"आँख पर चश्मा लगाया
ताकि सूझे दूर की
यह नहीं लड़की को मालूम
सूरत बनी लंगूर की।"

प्र०5-लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन-सी चीज़ें मज़ा ले-लेकर खाती थीं? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उ०-लेखिका अपने बचपन में संस्मरणों को याद करते हुए दोहराती है बचपन में बिस्तर में लेटे-लेटे चॉकलेट मजे ले-लेकर खाती थी।

My NoteBook

बचपन में उनके मनपसंद फलों में काफल, करुमल, रसभरी
और चेस्टनट आदि प्रमुख होते थे।

DELTA Pg No. 28
Date

24-04-24

कक्षा-सातवीं

पाठ-2 वसंत

बुधवार, A-13

भाषा की बात-पृष्ठ-11

प्र०-1. क्रियाओं से भी भाववाचक संज्ञाएँ बनती हैं। जैसे मारना से मार, काटना से काट, हारना से हार, सीखना से सीख, पलटना से पलट और हड़पना से हड़प आदि भाववाचक संज्ञाएँ बनी हैं। तुम भी इस संस्मरण से कुछ क्रियाओं को छाँटकर लिखो और उनसे भाववाचक संज्ञा बनाओ।

	क्रिया	भाववाचक संज्ञा
1.	पुकारना	पुकार
2.	चलना	चलन/चाल
3.	बदलना	बदलाव
4.	उभरना	उभार
5.	गहरना	गहराई
6.	चमकना	चमक
7.	बिगड़ना	बिगड़

प्र-3. कपड़ों में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी जैसी संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं।

	सार्वनामिक विशेषण	संज्ञा
1.	कुछ	~~फ्रॉक~~ फ्रॉक

DELTA Pg No. 30
Date / /

२. तुम्हारी	दीदी
३. अपने	जूते
४. हम	बच्चे

26/1/24

26·04·24

कक्षा-कार्य

पाठ -3 बचपन

शुक्रवार,A-14

कहानी से-पृष्ठ-19

प्र०-1. अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उ०-अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में अनेक तरह के सवाल उठते थे। अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएँगे? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे? घोंसला कैसा है? लेकिन इन बातों का जवाब देने वाला कोई नहीं। न अम्माँ को घर के काम धंधों से फ़ुरसत थी, न बाबू जी को पढ़ने-लिखने से।

प्र०-2- केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दान-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उ०- केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर इसलिए रखे थे क्योंकि उन्होंने अनुमान लगाया कि अब ज़रूर बच्चे निकल आए होंगे। बच्चों के चारे का सवाल अब आ खड़ा हुआ। चिड़िया बेचारी इतना दाना कहाँ पाएगी कि सारे बच्चों का पेट भरे। गरीब बच्चे भूख के मारे चूँ-चूँ करके मर जाएँगे।

प्र०-3- केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडो की रक्षा की या नादानी?

उ०- केशव और श्यामा ने अंडो की 'नादनी' की क्योंकि उसने अंडो को गद्दी पर रखा था और उसे यह मालूम नहीं था कि छूने से अंडे गंदे हो जाते हैं और चिड़िया अंडो को नहीं सेती। इस कारण

वह अंडो को गिरा देती है। इस तरह उसने अंडो की हिफाज़त

करने की बजाए अंडो का सत्यानाश कर दिया।

26.04.24

गृह-कार्य

पाठ-3 वसंत

शुक्रवार, A-15

कहानी से आगे, पृष्ठ-20

प्र-1. केशव और श्यामा ने अंडो के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उ०- केशव और श्यामा ने सोचा कि अंडो को तिनकी पर पड़े रहने से बच्चे निकलने पर उन्हें दाना पानी नहीं मिल पाएगा। इससे बच्चे चूँ-चूँ करके मर जाएँगे। उन्हें धूप से भी कष्ट होता होगा। यदि हम केशव और श्यामा के स्थान पर होते तो हम बिल्ली तथा अन्य जीव-जंतुओं से अंडो की बचाने के लिए कुछ न कुछ जरूर करते हम इसके अतिरिक्त कुछ न करते क्योंकि हम जानते हैं कि अंडो के साथ छेड़-छाड़ करना ठीक नहीं होता।

प्र०-2 माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उ०- केशव और श्यामा ने घर में कार्निस पर चिड़िया के अंडों को पड़ा देखा था। उन्हें देखकर उनके बारे में अनेक प्रकार के विचार उनके मन में उठे थे। वे अंडों की देखभाल करना चाहते थे। अंडों से निकले बच्चों के लिए दाने-पानी का प्रबंध करना चाहते थे। उन्हें धूप से बचाना चाहते थे। अतएव यह सब करने के लिए वे माँ के सोते ही दोपहर में बाहर निकल आए थे। माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने भी किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया क्योंकि उन्हें भय था कि उनकी माँ उन्हें पीटेंगी।

प्र०-4 प्रेमचंद्र ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उ- प्रेमचंद्र ने इस कहानी का शीर्षक 'नादान दोस्त' रखा है। यह शीर्षक बिल्कुल ठीक है। नादान का अर्थ है मासूम, निर्दोष, भोला-भाला और दोस्त का अर्थ है - मित्र। श्यामा और केशव मासूम बच्चे हैं। उन्हें यह नहीं पता कि अंडो से बच्चे कैसे निकलते हैं और उनकी कैसे देखभाल की जानी चाहिए। अतएव वे अपने अपनी ओर से तो अंडो की देखभाल का पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं, पर उनके देखभाल के कार्यों से अंडो का सत्यानाश हो जाता है वे बीचे गिरकर टूट जाते हैं। यदि मुझे कोई और शीर्षक देना होगा तो मैं इसका शीर्षक दूँगा- 'रक्षा में हत्या'।

My NoteBook

30/4/24

कक्षा-7

पाठ - 3 (वं)

मंगलवार, Ano -16

भाषा की बात पृष्ठ-21

प्र०2 तगड़े बच्चे मसालेदार सब्ज़ी बड़ा अंडा।
यहाँ रेखांकित शब्द क्रमशः बच्चे, सब्जी और अंडे की विशेषता यानी गुण बता रहे हैं। इसलिए ऐसे विशेषणों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं। इसमें व्यक्ति या वसतु के अच्छे-बुरे हर तरह के गुण आते हैं। तुम चार गुणवाचक विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ।

उ० गुणवाचक विशेषण और उनका वाक्य प्रयोग-

1. अच्छा - राम अच्छा लड़का है।
2. सुंदर - यह दृश्य बहुत सुंदर है।
3. नीला - नीले आकाश में तारे टिमटिमा रहे हैं
4. पतला - यह पतला कपड़ा जल्दी फट जाएगा।

प्र०3क) केशव ने झुँझलाकर कहा...

ख) केशव रोनी सूरत बनाकर बोला...

ग) केशव घबराकर उठा...

घ) केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा

DELTA Pg No. 43
Date / /

4) सुधीर ने अपनी कोहनी टिकाकर कहा कि मैं जो भी कहता हूँ सोच समझकर कहत

3/4

5) सीता ने गिड़गिड़ाकर कहा कि तुम मुझे ही दोश क्यों देती हो।

3/5/24

पाठ - 10 व्याकरण

शुक्रवार, Ano -17

क्रिया - हमने जाना - पृष्ठ - 93

1. किसी काम के करने या होने की सूचना देने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।

2. क्रिया के भेद 3 प्रकार के होते हैं -

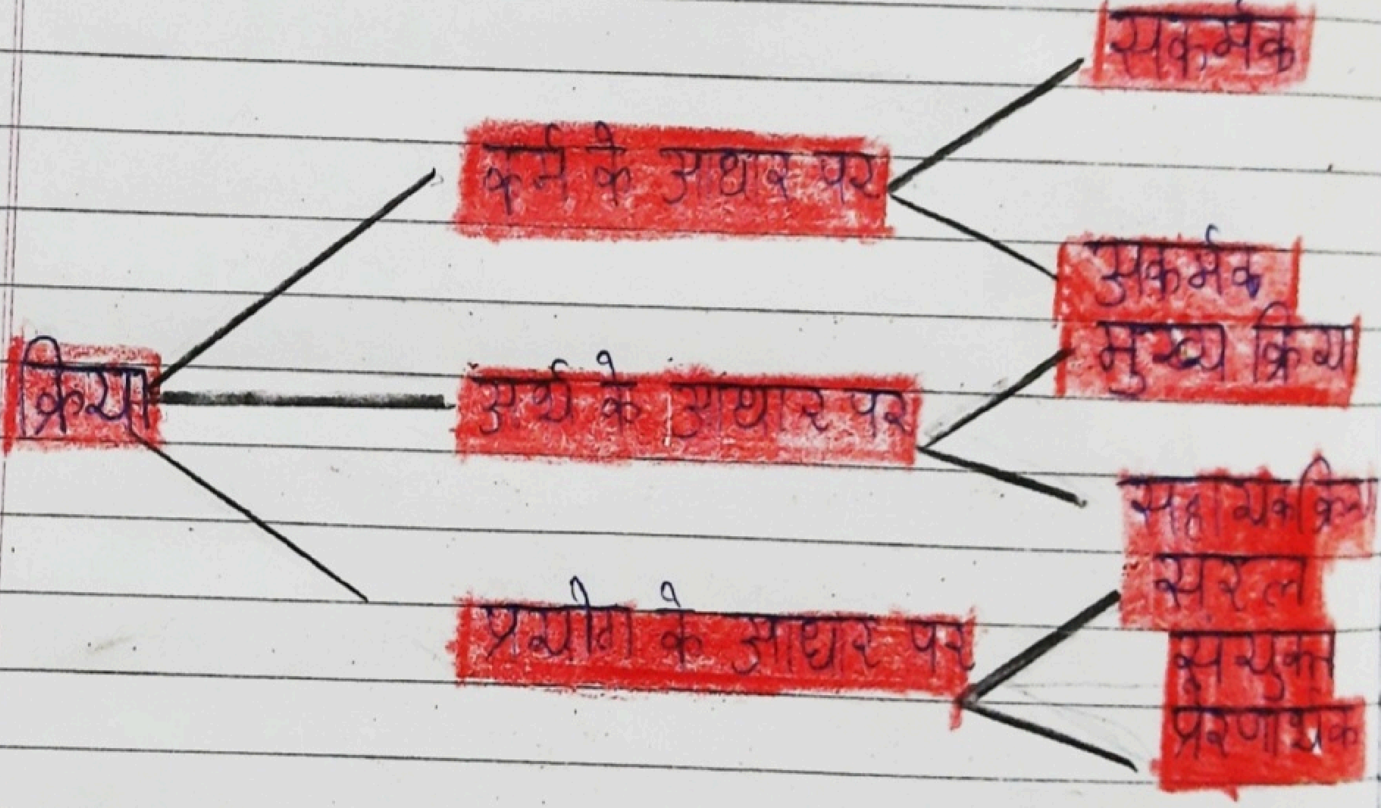

3. जिन क्रियाओं में कर्म की अपेक्षा होती है उन्हें सकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

4. जिन क्रियाओं में कर्म की अपेक्षा नहीं होती, उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

5. जहाँ स्वयं क्रिया न करते हुए किसी अन्य से करवाई जाती है, वहाँ प्रेरणार्थक क्रिया होती है।

6. वह क्रिया जिस पर वाक्य का अर्थ निर्भर करता है, मुख्य क्रिया और शेष सहायक क्रिया कहलाती है।

प्र०2 दिए गए वाक्यों में क्रियापद सकर्मक हैं या अकर्म
लिखिए।

क. उदित ने चिट्ठी लिखी।

उ० अकर्मक

ख. रात में जुगनू चमक रहे थे।

उ० सकर्मक

ग. सीमा ने माली से पौधे लगवाए

उ० सकर्मक

घ. बच्चे कुर्सी पर बैठे थे।

उ० सकर्मक

ङ. आलोक ने टोपी पहनी।

उ० सकर्मक

My NoteBook

6/5/२४

पाठ-१२ (व्याकरण) कक्षा कार्य

सोमवार-Ano-18

हमने जाना ~~पृष्ठ~~ पृष्ठ-१०२

★ जिन शब्दो के रूप लिंग, वचन, काल के अनुसार नहीं बदलते, वे अविकारी या अव्यय कहलाते हैं।

★ अव्यय के चार प्रकार होते हैं:-

DELTA Pg No. 48
Date

लेकिन हम सिर्फ इनमें से क्रियाविशेषण का ही भेद करेंगे।

★ क्रिया कि विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते है।

★ कियाविशेषण चार प्रकार के होते हैं-स्थानवाचक, कालवाचक, रीतीवाचर और परीमाणवाचक।

पृष्ठ-103

प्र० दिए गए वाक्यो मे क्रियाविशेषण शब्दो को रेखांकित करके भेद का नाम लिखिए।

क मैंने आज मोर की कूक सुनी थी।

उ० कालवाचक

ख वे लोग बहुत बोलते हैं।

उ० परिमाणवाचक

2/5

ग सुधीर धीरे-धीरे खाता है।

उ० रीतिवाचक

घ चूहे तेजी से दौड़कर बिल में घुस गए।

उ० रीतिवाचक

ङ आइसक्रीम वाला नित्य आता है।

उ० कालवाचक

5/5

DELTA Pg No. 50

6/8-/24

पाठ-7 संज्ञा गृहकार्य

सोमवार Ano-19

हमने जाना पृष्ठ-54

☆ किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भावके नाम को संज्ञा कहते हैं।

☆ संज्ञा के तीन भेद होते हैं।-व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा।

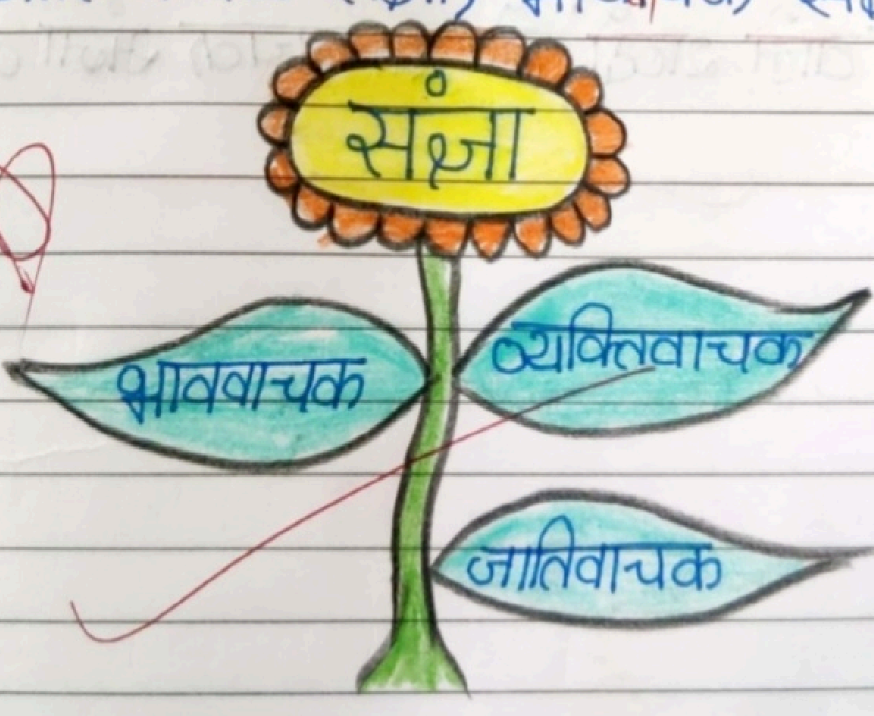

5 क्रियाविशेषण चार प्रकार के होते है - स्थानवाचक, कालवाचक, रीतिवाचक और परिमाणवाचक।

प्र01 दिए गए वाक्यो मे क्रियाविशेषण शब्दो पर ○ लगाकर भेद का नाम लिखिए।

क) मैंने आज मोर की कूक सुनी थी।

उ० कालवाचक

ख) वे लोग बहुत बोलते हैं।

उ०) परिमाणवाचक

ग) सुधीर धीरे- धीरे खाता है।

उ०) रीतिवाचक

घ) चूहे तेजी से दौड़कर बिल में घुस गए।

DELTA Pg No. 49

उ० रीतिवाचक

उ: आइस क्रीम वाला नित्य आता है।

उ० कालवाचक

7/5/24

गृह-कार्य

पाठ - 5 शब्द भंडार

पार्यायवाची शब्द

Ans - 20 पृष्ठ - 36

* लगभग समान अर्थ देने वाले शब्द पार्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

	शब्द	पर्याय
1.	आँख	नेत्र नयन
2.	आकाश	नभ, गगन
3.	आग	अग्नि , पावक
4.	इच्छा	अभिलाषा , कामना
5.	ईश्वर	भगवान, परमात्मा
6.	कमल	पंकज , राजीव

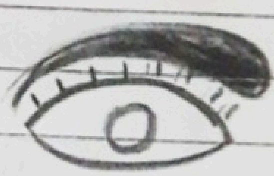

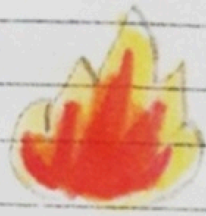

7.	जल	पानी, नीर
8.	दूध	पय, दुग्ध
9.	धूल	गर्द, मिट्टी
10.	नदी	सरिता, तटिनी
11.	पत्नी	कांता, अर्धांगिनी
12.	पृथ्वी	धरती, धरा
13.	पर्वत	पहाड़, नग
14.	फूल	सुमन, पुष्प
15.	बंदर	कपि, वानर
16.	बिजली	चपला, चंचला
17.	भौंरा	अलि, भृंग
18.	मित्र	सखा, साथी

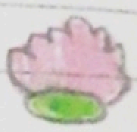
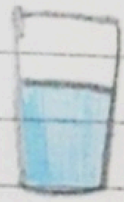
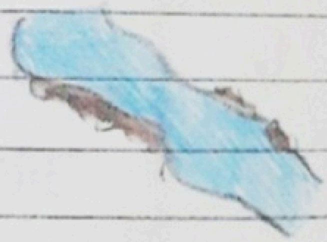
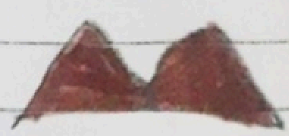

8/5/24

कक्षा-कार्य

पाठ - 5 व्याकरण

बुधवार , Ans - 21

विलोम शब्द पृष्ठ - 37

	शब्द	विलोम
1.	अँधेरा	उजाला
2.	अँधकार	प्रकाश
3.	अनुकूल	प्रतिकूल
4.	अच्छा	बुरा
5.	अर्थ	अनर्थ
6.	आय	व्यय
7.	आयात	निर्यात
8.	आकाश	पाताल

9	आदि	अंत
10.	आदर	अनादर
11.	आदान	प्रदान
12.	उपयुक्त	अनुपयुक्त
13.	उपस्थित	अनुपस्थित
14.	उपकार	अपकार
15.	क्रय	विक्रय
16.	गुण	दोष
17.	जन्म	मृत्यु
18.	जड़	चेतन
19	जीवन	मरण
20.	ज्ञान	अज्ञान

21.	दंड	पुरस्कार
22.	धनी	निर्धन
23.	न्याय	अन्याय
24.	पक्ष	विपक्ष
25.	पसंद	नापसंद

✿ उलटा अर्थ देने वाले शब्द विलोम शब्द कहलाते हैं।

09.05.24 गृह-कार्य

पाठ-5 व्याकरण

गुरुवार A-22

वाक्यांश-पृष्ठ-40

(1-21 तक)

* कभी-कभी अनेक शब्दों या वाक्यांशों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है। इससे भाषा प्रभावशाली बनती है।

वाक्यांश	शब्द
1. जो दिखाई न दे	अदृश्य
2. जहाँ जाना कठिन हो	दुर्गम
3. जिसका मूल्य न आँका जा सके	अमूल्य
4. जिसके समान दूसरा न हो	अद्वितीय
5. जिसमें ममता न हो	निर्मम

My NoteBook

Sign.

ह-कार्य

	वाक्यांश	शब्द
6.	कम जानने वाला	अल्पज्ञ
7.	उपकार को मानने वाला	कृतज्ञ
8.	दूसरों पर उपकार करने वाला	परोपकारी
9.	दूसरों का भला चाहने वाला	परमार्थी
10.	ईश्वर को न मानने वाला	ना[illegible]
11.	बोलने वाला	वक्ता
12.	लिखने वाला	लेखक
13.	दूर की सूचने वाला	दूरदर्शी
14.	जिसमें जानने की इच्छा हो	जिज्ञासु
15.	सप्ताह में एक बार होने वाला	साप्ताहिक
16.	महीने में एक बार होने वाला	मासिक
17.	दस वर्षों का समय	दशाब्दी

My Notebook

	वाक्यांश	शब्द
18	ऊँचे कुल से संबंधित	कुलीन
19	जिसने अपराध किया हो	अपराधी
20	पश्चिमी देशों से संबद्ध	पाश्चात्य
21.	मांस खाने वाला	मांसाहारी

10.05.24 कक्षा-कार्य

पाठ-16 व्याकरण

शुक्रवार,A-23

मुहावरे(1-20)

पृष्ठ-131

* मुहावरे ऐसे वाक्यांश हैं, जो सामान्य अर्थ न ~~देखकर~~ देकर विशिष्ट अर्थ देते हैं।

	मुहावरा	अर्थ
1.	अंधे की लाठी होना	एकमात्र सहारा
2.	अँधेरे घर का उजाला	इकलौता पुत्र
3.	अक्ल का दुश्मन	मूर्ख व्यक्ति
4.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	समझ मे [illegible] ना
5.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना काम निकालना

मुहावरा	अर्थ
6. अपना राग अलापना	अपने बारे में ही बात करना
7. आँखें चार होना	एक-दूसरे को देखना
8. आँखें दिखाना	धमकाना, डराना
9. आँखें ~~बि~~ बिछाना	प्रेम से स्वागत करना
10. आँखें फेर लेना	बदल जाना
11. आँखों में खटकना	बुरा लगना
12. आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
13. आकाश-पाताल एक करना	पूरा प्रयत्न करना
14. आसमान सिर पर उठाना	बहुत शोर करना
15. आस्तीन का साँप	धोखेबाज़ मित्र
16. अपनी खिचड़ी अलग पकाना	साथ मिलकर [illegible] रहना
17. आटे-दाल का भाव मालूम होना	कठिनाई में पड़ना

My NoteBook
Sign

रना

मुहावरा	अर्थ
18. आग लगाना	चुगली करना
19. आसमान पर चढ़ा देना	बहुत प्रशंसा करना
20. आँसू पीकर रह जाना	दुख को चुपचाप सहना
21. ईद का चाँद होना	बहुत दिनों बाद दिखाई देना
22. ईंट-से-ईंट बजाना	नष्ट करना
23. ईंट का जवाब पत्थर से देना	दुष्टता के बदले दुष्टता करना
24. कान पर जूँ न रेंगना	तनिक भी ध्यान न देना
25. कलेजे पर साँप लोटना	ईर्ष्या से जलना
26. काँटे बिछना	रुकावट पैदा करना
27. कलेजा मुँह को आना	बहुत दुखी होना
28. कलेजा ठंडा होना	संतोष होना
29. कठपुतली होना	पूर्णतः किसी के वश में होना

My NoteBook Sign.

	मुहावरा	अर्थ
30-	कान कतरना	बहुत अधिक चालाक होना

DELTA Pg No. 61

10-05-24

गृह-कार्य

पाठ-18 व्याकरण

शुक्रवार 10-5-24

लोकोक्ति (1-7)

पृष्ठ-136

* लोकोक्ति-शब्द लोक+उक्ति से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है-लोक में प्रचलित बात।

लोकोक्ति	अर्थ
1. अंधों में काना राजा	मूर्ख लोगों में थोड़ा ~~बुद्धि~~ बुद्धिमान
2. एक पंथ दो काज	एक साथ दो काम हो जाना
3. चिराग तले अँधेरा	अपने बुराई दिखाई न देना
4. चोर की दाढ़ी का तिनका	अपराधी को स्वयं शंका बनी रहती है।

लोकोक्ति	अर्थ
5. दूध का दूध, पानी का पानी	निष्पक्ष न्याय करना
6. जिसकी लाठी, उसकी भैंस	बलवान की ही जीत होती है
7. जैसी करनी, वैसी भरनी	जो जैसा करता है, उसे वैसा ही फल मिलता है।

DELTA Pg No. 70
Date / /

14.5.24

गृह कार्य

पाठ-2 रामायण

मंगलवार - A.NO = 25

रिक्त (8) किसने - किससे - (3)

प्र रिक्त स्थान

1 राजमहल से निकलकर महर्षि विश्वामित्र व दोनों भाई सरयू नदी और बढ़े।

2 विश्वामित्र के दोनों भाइयों को बला और अतिबला नाम की विद्याएँ सिखाई।

3 सुंदर वन का नाम ताड़का वन पड़ गया।

4 राम का बाण राक्षसी ताड़का के
हृदय में लगा।

5 सुबाहु और मारीच राक्षसी
ताड़का के पुत्र थे।

6 महर्षि विश्वामित्र ने राम और
लक्ष्मण को राजा जनक के यहाँ
जाने के लिए आमंत्रित किया।

7 महाराज जनक ने शिव धनुष
को यज्ञशाला मे लाने का आदेश
दिया।

8 राम की पत्नी का नाम सीता था,
लक्ष्मण की पत्नी का नाम उर्मिला

था, भरत की पत्नी का नाम
माँडवी था, शत्रुघ्न की पत्नी
का नाम श्रुतकीर्ति था।

प्र किसने - किससे कहा -

1 "अब हमारे लिए क्या आज्ञा है
मुनिवर"।

उ० ये शब्द राम ने महर्षि विश्वामित्र
से कहे।

2 "ये सुंदर राजकुमार कौन हैं?
मैं इनके आकर्षण से खिंचता जा
रहा हैं।

DELTA Pg No. 73

उ० ये शब्द विदेहराज जनक ने महर्षि विश्वामित्र से कहे ।

3 "उठो वत्स ! यह धनुष देखो ।"

उ० ये शब्द महर्षि विश्वामित्र ने राम से कहे ।